ICAO अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल

हाल ही मेंअंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) ने मॉन्ट्रियल, कनाडा में ICAO सम्मेलन के 42वें सत्र के दौरानअंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance-ISA) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये।

भारत में कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्ष 2015 में दुनिया का पहला पूर्ण सौर ऊर्जा संचालित हवाई अड्डा बन गया।

समझौता ज्ञापन (MoU):

यह समझौता ज्ञापन ISA की विरासत को आगे बढ़ाएगा।
यह आयोजन वैश्विक नागरिक उड्डयन क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग के लिये नई शुरुआत का प्रतीक है।
यह ISA के सभी सदस्य राज्यों में विमानन क्षेत्र के सौरीकरण को सक्षम करेगा।
इसका उद्देश्य विमानन क्षेत्र में CO2 उत्सर्जन की वृद्धि की जाँच करना है, ताकि भारत शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त सके।
यह सूचना एवं समर्थन प्रदान करने, क्षमता निर्माण और परियोजनाओं के प्रदर्शन की दिशा में काम करेगा।

भारत का शुद्ध शून्य कार्बन लक्ष्य:

भारत ने COP 26 में वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन लक्ष्य का संकल्प लिया है।
भारत ने 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से वर्ष 2022 तक 100 गीगावाट सौर ऊर्जा प्राप्त करना है
और वर्ष 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता में 33-35% की कमी होगी, ताकि सौर ऊर्जा की पहुँच को असंबद्ध गाँवों और समुदायों तक सुनिश्चित
किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन:

विषय:
वर्ष 2015 के दौरान भारत और फ्राँस द्वारा सह-स्थापित, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के वितरण में वृद्धि के लिये एक सक्रिय तथा सदस्य-संचालित एवं सहयोगी मंच है।
इसका मूल उद्देश्य ऊर्जा तक पहुँच को सुविधाजनक बनाना, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और अपने सदस्य देशों में ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा देना है।
अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, ‘वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड’ (One Sun One World One Grid - OSOWOG) को लागू करने
हेतु एक नोडल एजेंसी है, जिसका उद्देश्य एक विशिष्ट क्षेत्र में उत्पन्न सौर ऊर्जा को किसी दूसरे क्षेत्र की बिजली की मांग को पूरा
करने के लिये स्थानांतरित करना है।
मुख्यालय:
इसका मुख्यालय भारत में स्थित है और इसका अंतरिम सचिवालय गुरुग्राम में स्थापित किया जा रहा है।
सदस्य राष्ट्र:

कुल 109 देशों नेISA फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं और 90 देशों ने इसकी पुष्टि की है।संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देश
ISA में शामिल होने की पात्रता रखते हैं।
अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को पर्यवेक्षक का दर्जा:
संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) को पर्यवेक्षक का दर्जा प्रदान किया
है।
यह अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और संयुक्त राष्ट्र के बीच नियमित तथा बेहतर सहयोग सुनिश्चित करने में मदद करेगा, जिससे वैश्विक ऊर्जा विकास में लाभ होगा।

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन:

यह संयुक्त राष्ट्र (United Nations-UN) की एक विशिष्ट एजेंसी है, जिसकी स्थापना वर्ष 1944 में की गई थी। जिसने शांतिपूर्ण नागरिक उड्डयन संबंधी मानकों और प्रक्रियाओं की नींव रखी।

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संबंधी अभिसमय/कन्वेंशन पर 7 दिसंबर,1944 को शिकागो में हस्ताक्षर किये गए थे। इसलिये
इसे शिकागो कन्वेंशन भी कहते हैं।
शिकागो कन्वेंशन ने वायु मार्ग के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय परिवहन की अनुमति देने वाले प्रमुख सिद्धांतों की स्थापना की और ICAO के निर्माण का भी नेतृत्व किया।
भारत इसके 193 सदस्यों में शामिल है।
इसका मुख्यालय मॉन्ट्रियल, कनाडा में है।

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/icao-joins-international-solar-alliance